No. of Printed Pages : 2

MJY–006

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-006 : गणित, ग्रहण, वेध एवं यन्त्रादि विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्नपत्र* **दो** *खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. भारतीय गणितशास्त्र पर एक निबन्ध लिखिए।
2. ग्रहण में विचारणीय प्रमुख अंशों (बिन्दुओं) का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. सूर्य-ग्रहण-साधन की गणितीय प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. वलन के स्वरूप का परिचय देते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।
5. भारतीय वेध परम्परा पर एक निबन्ध लिखिए।
6. पात के स्वरूप का परिचय प्रस्तुत करते हुए उसके भेदों का सप्रमाण निरूपण कीजिए।

भाग—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. गोलीय रेखागणित की किन्हीं **दो** प्रतिज्ञाओं का उल्लेख कीजिए।
2. ग्रहण के महत्व को रेखांकित कीजिए।
3. सूर्य ग्रहण के सम्भवासम्भव का विचार कीजिए।
4. शृङ्गोन्नति-परिलेख का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. नक्षत्रों के उदयास्त पर सक्षिप्त लेख प्रस्तुत कीजिए।
6. भग्रहयुति के काल का ज्ञान किस प्रकार किया जाता है ?
7. आयन एवं आक्ष दृक्कर्म का निरूपण कीजिए।
8. प्राचीन वेधयन्त्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

× × × × ×